(घ) पिछले आवेदनकर्ताओं को ७६१ टेलीफोन कनेक्शन दे दिये गये हैं। मौजूदा बहुत सी कमियों के कारण विभिन्न वर्ग के आवेदनकर्ताओं में से कुछ को क्रम से और कुछ को टेलीफोन देने में प्राथमिकता दी जाती है। टेलीफोन सलाहकार समिति की सलाह पर पूर्वापर क्रम से भी टेलीफोन कनेक्शन दिये जाते हैं। इस पार्टी का नाम 'क्रमानुसार' दिये जाने वाले टेलीफोन कनेक्शनों के कोटे में नहीं आया था।

1-[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI B. BHAGAVATI): (a) 2141.

(b) Messrs. Ghasita Mai Karam Chand, Gokal Chand Market, Amrit-sar. Date of application 26-2-1959.

(c) 241.

(d) 791 connections have been provided to earlier applicants. Under the present shortages, a proportion of telephones is allotted in turn and some on priority to different categories. Telephones are also allotted out of turn on the advice of the Telephone Advisory Committee. The turn of this party did not come in the "in turn" quota.!

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री महोदय बतायेंगे कि इसके लिए कोई ऐसे नियम अथवा उपनियम बना रखे हैं जिनके आधार पर प्रायरिटी निर्धारित की जा सके ?

SHRI B. BHAGAVATI: Yes, there are rules under which priorities are determined.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या यह बात सही है कि कभी कभी जो सलाहकार समितियां इसके बारे में नियुक्त की गई हैं वे नियमों की अवहेलना करके अपने और निर्णय लेती हैं ?

SHRI B. BHAGAVATI: They have the discretion to make allotments on the basis of their local knowledge as to the relative importance of the applications.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : जो कमी श्रीमान् ने बताई उसको दूर करने के लिए क्या कोई विशेष प्रयास किया जा रहा है? इस तरह की कमी दिल्ली, अमृतसर और कई स्थानों पर है, उसको दूर करने के लिए विशेष क्या प्रयास किया जा रहा है ?

SHRI B. BHAGAVATI: Additional telephone connections are being provided progressively.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : श्रीमान् ने जैसा बताया कि सामग्री का अभाव है, तो सामग्री के अभाव को दूर करने के लिए क्या विशेष प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

श्री जगजीवन राम : सामग्री के अभाव की पूर्ति के लिए या तो सामग्री का निर्माण अपने देश में करना होगा या बाहर से मंगाना होगा ?

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : यह तो होगा, हम भी समझते हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि शासन ने इसके बारे में क्या प्रयास किया ?

श्री जगजीवन राम : आपकी समझदारी पर मुझे सन्देह नहीं था। मैं यहीं कह रहा था कि दोनों कार्यक्रम हमारे हाथ में हैं।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : तो उसके तहत क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि कब तक हम अपनी पूरी आवश्यकता की पूर्ति कर सकेंगे ?

श्री जगजीवन राम : अभी उसमें बहुत समय लगेगा।

झालावाड़ रोड स्टेशन पर पीने का पानी

*४६. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

t[ ] English translation.

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम रेलवे पर झालावाड़ रोड रेलवे स्टेशन पर अच्छे पीने के पानी का अभाव है,

(ख) यदि हां, तो इस अभाव को दूर करने के लिये अभी तक क्या क्या प्रयास किये गये हैं; और

(ग) यात्रियों को तथा स्टेशन के आस पास रहने वाले व्यक्तियों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में क्या योजना है ?

t [DRINKING WATER AT JHALAWAR ROAD STATION

•49. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

,(a) whether it is a fact that there is scarcity of good drinking water at Jhalawar Road Railway Station on the Western Railway;

(b) if so, what efforts have so far been made to remove this scarcity; and

(c) what is the scheme for supply of drinking water to the passengers and persons residing nearabout the Station?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI S. V. RAMASWAMY) : (a) Yes, Sir.

(b) Travelling Water tank filled with potable water from Bhawani-mandi is kept at Jhalawar Road Railway Station for the use of staff and passengers.

(c) Proposal is under consideration to obtain water from Chattarpura village water supply schemes for supply to Railway Staff and passengers.

f[ ] English translation.

‡[रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० वी० रामस्वामी) : (क) जी हां ।

(ख) झालावाड़ रोड स्टेशन पर कर्मचारियों और मुसाफिरों के लिए पीने के पानी की चल-टंकी भवानी मंडी से लाकर रखी जाती है ।

(ग) रेल-कर्मचारियों और मुसाफिरों के लिए छतरपुर ग्राम पानी-सप्लाई योजना से पानी हासिल करने के एक सुझाव पर विचार हो रहा है ।]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया । क्या श्रीमान् को यह ज्ञात है कि जैसा आपने बताया कि भवानी मंडी से पानी ला करके सप्लाई किया जाता है, वैसा अभी नहीं हो रहा है और वहां का जो स्थानीय खारेपन का पानी है वही यात्रियों को पिलाया जाता है ?

SHRI S. V. RAMASWAMY: There is only a handful of passengers and the staff is only about 24.

MR. CHAIRMAN: He would like to know as to what kind of water is being given, salt water or what.

SHRI S. V. RAMASWAMY: It is not salt water. It is potable. I do not know whether it is sweet water or not.

SHRI M. M. S. SIDDHU: May I know as to how many persons have been found to suffer from diseases because of drinking water from this place? Is there any information?

SHRI S. V. RAMASWAMY; I have no information, Sir.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान् को यह ज्ञात है कि कितने यात्री वहां पर ऐवरेज प्रति दिन यात्रा करते हैं ?

SHRI S. V. RAMASWAMY; I have not got the number of passengers but the requirements will be about a thousand gallons per day.

t[1 Hindi translation.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : कितने यात्रियों को आप हैंडफुल समझते हैं और कितने यात्रियों को हैंडफुल से ज्यादा समझते हैं, यह मैं जानना चाहता हूं ?

श्री सभापति : एक हजार गैलन पानी की जरूरत उन्होंने आपको बताया ।

SHRI BHUPESH GUPTA: It must be a big hand then.

SHRI V. M. CHORDIA; He has not given the figure, Sir.

SHRI S. V. RAMASWAMY: From the requirement which is only about a thousand gallons, I can infer reasonably that it is only a handful.

MR. CHAIRMAN: He has said that a thousand gallons are consumed but it is difficult to know how much water one person consumes.

GRIEVANCES OF HOOGHLY PILOTS

/SHRI M. BASAVAPUNNAIAH: 0
\ Sim BHUPESH GUPTA: t

Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what is the latest position in the dispute that arose between the authorities and the Hooghly Pilot Service Association; and

(b) what steps if any have been taken to redress the grievances of the pilots?

THE MINISTER OF SHIPPING IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR):" (a) and (b) Attention is invited to the statement laid on the Table of the Rajya Sabha on the 15th June, 1952. The Hooghly Pilots resumed work on the afternoon of the 19th May, 1962, and there have been no subsequent developments.

SHRI BHUPESH GUPTA: May I know whether the memorandum submitted by them is under consideration by the Government? They resumed work on the expectation that their grievances will be met by the Government and I would like to know whether any discussions are in progress between the Government and the members of the Hooghly Pilots' Association.

SHRI RAJ BAHADUR: During the course of the discussions that preceded the resumption of work, they informally discussed certain demands but no formal memorandum as such was presented excepting a small unsigned note. Due note has been taken *ot* that and the various points are under consideration by the Port Commissioners.

SHRI BHUPESH GUPTA: Is it not a fact that in that note which you may or may not call memorandum it was pointed out that as a result of their absorption in the West Bengal Government they are suffering and that the position that they were enjoying with regard to pay scales, status and service conditions before they were transferred to the West Bengal authorities should be given to them?

SHRI RAJ BAHADUR: They have not been absorbed in the West Bengal service and the rest of the question does not arise.

SHRI BHUPESH GUPTA: Port authorities, not West Bengal Government.

SHRI A. D. MANI: In view *ol the* importance of the waterways, would the Central Government take them into their service?

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Bhupesh Gupta.

366 RS—2.